

**DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY,
CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR.**



Circular / Acad Sec./ PG /NEP PG-II Yr Curri./Uni. Cqmp./ 2024.

It is hereby inform to all concerned that, on the recommendation of Dean of Faculty of Humanities; **the Academic Council at it's Meeting held on 08th April, 2024 has accepted the "following Subject wise revised Curriculum at PG Level as per National Education Policy-2020" for all concerned university department** under the Faculty of Humanities.

Sr. No.	UG/PG Course Curriculum Name	Semester
01.	M. A. <u>Second</u> Year as per NEP [Marathi] For University Department	IIIrd & IVth
02.	M. A. <u>Second</u> Year as per NEP [Sanskrit] For University Department	IIIrd & IVth
03.	M. A. <u>Second</u> Year as per NEP [History] For University Department	IIIrd & IVth
04.	M. A. <u>Second</u> Year as per NEP [Archaeology] For University Department	IIIrd & IVth
05.	M. A. <u>Second</u> Year as per NEP [Political Science] For University Department	IIIrd & IVth
06.	M. A. <u>Second</u> Year as per NEP [Public Administration] For University Department	IIIrd & IVth
07.	M. A. <u>Second</u> Year as per NEP [Economics] For University Department	IIIrd & IVth
08.	M. A. <u>Second</u> Year as per NEP [Geography] for University Department	IIIrd & IVth
09.	M. A. <u>Second</u> Year as per NEP [Psychology] for University Department	IIIrd & IVth
10.	M.A. <u>Second</u> Year as per NEP [Thoughts of Mahatma Phule & Dr. B. R. Ambedkar] for University Department	IIIrd & IVth
11.	M.R.S. <u>Second</u> Year as per NEP [Socio-Cultural and Political Aspects] for University Institution/Department	IIIrd & IVth
12.	M.R.S. <u>Second</u> Year as per NEP [Rural Economics, Banking & Industry] for University Institution/ Department	IIIrd & IVth

This is effective from the Academic Year 2024-25 and Onwards as per appended herewith.

All concerned are requested to note the contents of this circular and bring notice to the students, teachers and staff for their information and necessary action.

University campus,
Chhatrapati Sambhajinagar-431 004.
Ref. No. SU/PG-II Yr/ Affi.Colleges
/ NEP Curri/ 2024/25752-71

Date: 21.05.2024.

}}
}}
}}
}}
}}

**Deputy Registrar,
Academic.**

:: 02 ::

Copy forwarded with compliments to:-

- 1] The Head/ Director, all concerned Departments/Institutions,**
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Chhatrapati
Sambhajinagar.
- 2] The Director, University Network & Information Centre, UNIC,**
with **a request to upload this Circular on University Website.**

Copy to :-

- 1] The Director, Board of Examinations & Evaluation,**
- 2] The Sec. Officer, [Concerned Unit] Exam. Branch,**
- 3] The Section Officer, [Eligibility Unit],
- 4] The Programmer [Computer Unit-1] Examinations,
- 5] The Programmer [Computer Unit-2] Examinations,
- 6] The In-charge, [E-Suvidha Kendra],
- 7] The Public Relation Officer,
- 8] The Record Keeper,
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Chhatrapati
Sambhajinagar.

==**==

DrK*210524/-

**DR. BABASAHEB AMBEDKAR
MARATHWADA UNIVERSITY,
CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR**



Curriculum of
M. A. [Sanskrit]
Semester-III & IV

‘under National Education Policy-2020’

For

“University Autonomous Department”

[Effective from the Academic Year 2024-25 & Onwards]

M.A. Sanskrit IIIrd Semester

Course	Course Code	Course Name	Credit	Lect. / Week	Marks
Major Mandatory	SAN-M-3001	Poetics	04	04	60+40
	SAN-M-3002	Philosophy	04	04	60+40
	SAN-M-3003	Paniniya Shiksha and Amarkosh	04	04	60+40
	SAN-M-3004	Writing Book Review	02	02	30+20
Electives (Select Any One)	SAN-E-3005-A	Grammar – Tinganta Prakaranam	04	04	60+40
	SAN-E-3005-B	Sanskrit Mahakavya	04	04	60+40
	SAN-E-3005-C	Modern Sanskrit Literature	04	04	60+40
Research Methodology	SAN-RP-3006	Writing Minor Research Project	04		100

M. A. S. Y. IIIrd Semester Total – 22 Credit

तृतीयसत्र
Major Mandatory
साहित्यशास्त्र

पेपर कोड - SAN-M-३००१

गुण १००

उद्दिष्टे -

१. संस्कृत काव्यशास्त्र परंपरा अभ्यासणे
२. काव्यप्रकाश या काव्यशास्त्रीय ग्रंथातील संकल्पना व सिद्धांत अभ्यासणे
३. शब्दालंकार व अर्थालंकारांचा अभ्यास करणे.

१.	संस्कृत काव्यशास्त्र परंपरा, काव्यप्रकाश ग्रंथाचे स्वरूप व विशेष	१५
२.	काव्यप्रकाश - उल्लास - १	२५
३	काव्यप्रकाश - उल्लास - २	२५
४	अनुप्रास, रूपक, उपमा, उत्प्रेक्षा, विरोध, विभावना, विशेषोक्ति, स्वभावोक्ती, श्लेष, या अलंकारांचा परिचय	३५

संदर्भग्रन्थ:-

१. काव्यप्रकाश - प्रा. आर. डी. शास्त्री
२. काव्यप्रकाश - कु. श्री. अर्जुन वाडकर
३. काव्यप्रकाश - अ.ग. मंगरुळकर
४. काव्यप्रकाश - ए.बी. गर्जेद्रकर
५. काव्यप्रकाश - प्रा. झकळीकर
६. काव्यप्रकाश - डॉ. विश्वेश्वरसिंह - चौखम्बा प्रकाशन
७. साहित्यदर्पण - डॉ. सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा, वाराणसी

८. भारतीय साहित्यशास्त्र - डॉ. ग.त्र्य. देशपाण्डे
९. साहित्यदर्पण -शालीग्रामशास्त्री, चौखम्बा
१०. Sanskrit Poetics In Cultural Heritage of India - Gaurinath Shastri
११. The Theories of Rasa and Dwani ३ A. Shankaran - Madras १९२९
१२. The Aesthetic Experience According to abhinavgupta Raneiro
Gawli, Vanarasi
१३. काव्यशास्त्र - कोन और दिशाएँ - श्रीमती बन्सल
१४. साहित्यदर्पणम् - श्री. शेषराज रेग्मीकृत - चौखम्बा प्रकाशन

Major Mandatory

तत्त्वज्ञान

पेपर कोड - SAN-M- 3002

गुण १००

उद्दिष्टे इ

१. न्यायदर्शनातील महत्वाचा ग्रंथ तर्कसंग्रह अभ्यासणे
२. तर्कसंग्रहातील अनुमिति खंड अभ्यासणे
३. सांख्यादर्शन परंपरेतील सांख्यकारिका या ग्रंथाचा अभ्यास करणे

Unit	Topic	Marks
१	तर्कसंग्रह - परिचय	३०
२	तर्कसंग्रह - अनुमितीखंड	२०
३	सांख्यकारिका - ईश्वरकृष्ण	५०

संदर्भ ग्रन्थ:-

१. सर्वदर्शन संग्रह - श्री.द.वा. जोग
२. सर्वदर्शन संग्रह - माधवाचार्य - हिन्दी व्याख्या, चौखम्बा प्रकाशन
३. सर्वदर्शन संग्रह सायणमाधव - BORI, Pune
४. सांख्यतत्त्वकौमुदी - डॉ. गजानन मुसळगावकर, चौखम्बा प्रकाशन
५. सांख्यकारिका - हरिरामकृष्णशुल, चौखम्बा प्रकाशन
६. तर्कसंग्रह - अन्नभट्ट दिपिका - चौखम्बा प्रकाशन
७. तर्कसंग्रह - नलिनी चाफेकर, द.वा. जोग
८. तर्कसंग्रह - श्री. म. परांजपे

Major Mandatory

पाणिनीय शिक्षा व अमरकोष

गुण १००

पेपर कोड - SAN-M- 3003

उद्दिष्टे इ

१. पाणिनीय शिक्षा या वेदांगाचा अभ्यास करणे
२. पाणिनीय शिक्षेतील वर्णोत्पत्ति व वर्णोच्चार प्रक्रियेचे अध्ययन करणे
३. भाषा अभ्यासात शिक्षा ग्रंथांचे महत्त्व जाणणे.

Unit	Topic	Marks
I	१) शिक्षा ग्रंथांचे स्वरूप व महत्त्व २) पाणिनीय शिक्षेचे स्वरूप	२०
II	पाणिनीय शिक्षा - सविस्तर अध्ययन	३०
III	संस्कृतातील कोश वाङ्मय व अमरकोशाचे महत्त्व	२०
IV	संक्षिप्त अमरकोश	३०

संदर्भग्रंथ :

१. पाणिनीय शिक्षा चौखम्बा प्रकाशन
२. अमरकोश (संक्षिप्त) ढवळे प्रकाशन, मुंबई
३. अमरकोश - पंडित हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्बा प्रकाशन
४. शब्दकल्पद्रुम चौखम्बा प्रकाशन
५. A Sanskrit English Dictionary - Apte.

Activity - Writing Book Review

ग्रंथपरीक्षणम्

SAN- M- ३००४

Marks ५०

संस्कृत भाषा, साहित्य, शास्त्र इत्यादींशी संबंधित कोणत्याही दोन पुस्तकांचे परीक्षण करून अभिप्रायात्मक लेखन करणे.

Electives

व्याकरण

गुण १००

पेपर कोड - SAN-E- 3005 -A

वरदराजविरचित लघुसिध्दांत कौमुदी - तिङ्न्त प्रकरणम्

१. लघुसिध्दांत कौमुदी मधील तिङ्गन्त प्रकरण अभ्यासणे
२. तिङ्गन्तातील क्रियापद निर्मिती प्रक्रिया अभ्यासणे
३. तिङ्गन्तातील सूत्रांचा अभ्यास करणे.

संदर्भग्रथ :

१. लघुसिध्दान्त कौमुदी - डॉ. भावे,
२. लघुसिध्दान्त कौमुदी - डॉ. नीला सोमलवार कौमुदी, प्रकाशन यवतमाह
३. लघुसिध्दान्त कौमुदी - श्री म.दा.साठे
४. लघुसिध्दान्त कौमुदी - चौखम्बा प्रकाशन
५. तिङ्.कृत् - कोश - डॉ. पुष्पा दीक्षित - संस्कृत भारती दिल्ली
६. अष्टाध्यायी सहजबोध - डॉ. पुष्पा दीक्षित - प्रतिभा प्रकाशन

संस्कृत महाकाव्य-बुध्दचरितम्

पेपर कोड - SAN- E – 3005 -B

गुण १००

उद्दिष्टये :

१. संस्कृत विदग्ध महाकाव्याच्या परंपरेची ओळख.
२. महाकाव्य म्हणून असलेले भाषेचे वेगळेपण जसे कल्पनाप्राचुर्य, वर्णनात्मकता, समासप्राचुर्य, कलात्मकता इ. चे अध्ययन करणे.

Unit	Topic	Marks
I	संस्कृत महाकाव्य परम्परा व बुध्दचरिताचे सामान्य अध्ययन	५०
II	अश्वघोष कृत बुध्दचरितम् - सर्ग १,२, विशेष अध्ययन.	५०

संदर्भग्रंथ -

१. संस्कृत महाकाव्य की परम्परा - श्री मुसळगावकर, चौखम्बा प्रकाशन
२. संस्कृत काव्याचे पंचप्राण - डॉ. के. ना वाटवे .
३. बुध्दचरितम् अश्वघोष - सर्ग १,२ चौखम्बा प्रकाशन

पेपर कोड – SAN- E- 3005-C

उद्दिष्टे -

१. वैदिक साहित्याच्या आधारे वेदकालीन संस्कृतीचे पैलू अभ्यासणे.
२. वैदिक साहित्याचे समीक्षण करणे.
३. वैदिक साहित्यातील मूल्ये अभ्यासणे.

Unit	Topic	Marks
I	संस्कृतीचा विकास, प्राचीन संस्कृतीचा परिचय.	२०
II	वैदिक वाङ्मय व वेदकालीन संस्कृतीचे स्वरूप	30
III	वेदकालीन संस्कृतीचा ऐतिहासिक , भौगोलिक सामाजिक , राजकीय , आर्थिक, धार्मिक, सांस्कृतिक दृष्टीने अभ्यास	50

संदर्भग्रंथ :

- १.वैदिक साहित्य का इतिहास- डॉ. पारसनाथ द्विवेदी
- २.वैदिक देवताशास्त्र - प्रा. प्रभुदयाल अग्निहोत्री
- ३.वैदिक संस्कृती - तीर्थ लक्ष्मणशास्त्री जोशी
- ४.संस्कृत साहित्य का विशद इतिहास - डॉ. पुष्पा गुप्ता
- ५.संस्कृत साहित्य का इतिहास - वाचस्पती गैरोला
- ६.वैदिक संस्कृती - वाचस्पती गैरोला
- ७.वैदिक वाङ्मय का इतिहास - पं. भगवद्दत्त
- ८.प्राचीन भारत का इतिहास - रमाशंकर त्रिपाठी
- ९.ऋग्वेदादि भाष्यभूमिका - स्वामी दयानंद सरस्वती

SAN- RP - ३००६ Minor Research Project-

लघुशोध प्रकल्प / प्रबंध गुण १००

संस्कृत साहित्यावर आधारित लघुप्रबंधाचे लेखन करणे (पृष्ठ मर्यादा कमीतकमी ५० पाने)

M.A. Sanskrit IVth Semester

Course	Course Code	Course Name	Credit	Lect. / Week	Marks
Major Mandatory	SAN-M-4001	Poetics	04	04	60+40
	SAN-M-4002	Philosophy	04	04	60+40
	SAN-M-4003	Modern Sanskrit Literature	04	04	60+40
Electives (Select Any One)	SAN-E-4005-A	Vedang – Niruktam	04	04	60+40
	SAN-E-4005-B	Aarsha Epics	04	04	60+40
	SAN-E-4005-C	Gadyakavya	04	04	60+40
Research Methodology	SAN-RP-4006	Writing a Research Project	06		150

M. A. S. Y. IVth Semester Total – 22 Credit

चतुर्थसत्र
Major Mandatory
साहित्यशास्त्र- काव्यमीमांसा

पेपर कोड - SAN-M-4001

गुण १००

उद्दीष्टे -

१. संस्कृत काव्यमीमांसा, विश्लेषण करण्याच्या पद्धती अभ्यासणे
२. काव्यमीमांसा या काव्यशास्त्रीय ग्रंथांचा विवेचक अभ्यास करणे
३. काव्यमीमांसा ग्रंथांच्या आधारे १४ विद्या, काव्यप्रतिभा, व्युत्पत्ती, कवींचे प्रकार, काव्याचे प्रकार, समीक्षकांचे प्रकार अभ्यासणे.

Unit	Topic	Marks
१	काव्यमीमांसा -परीचय	३०
२	काव्यमीमांसा - अध्याय १ व २	२५
३	काव्यमीमांसा - अध्याय ३ व ४	२५
४	काव्यमीमांसा - अध्याय ५	२०

संदर्भग्रन्थ:-

१. काव्यमीमांसा , गंगासागर राय , चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
- २ काव्यप्रकाश - प्रा. झकळीकर
- ३ काव्यप्रकाश - डॉ. विश्वेश्वरसिंह - चौखम्बा प्रकाशन
- ४ साहित्यदर्पण - डॉ. सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा, वाराणसी
१. भारतीय साहित्यशास्त्र - डॉ. ग.त्र्य. देशपाण्डे
२. साहित्यदर्पण -शालीग्रामशास्त्री, चौखम्बा
३. Sanskrit Poetics In Cultural Heritage of India - Gaurinath Shastri
४. The Theories of Rasa and Dwani इ A. Shankaran - Madras १९२९
५. The Aesthetic Experience According to abhinavgupta Raneiro Gawli, Vanarasi
६. काव्यशास्त्र - कोन और दिशाएँ - श्रीमती बन्सल
७. साहित्यदर्पणम् - श्री. शेषराज रेग्मीकृत - चौखम्बा प्रकाशन

Major Mandatory

तत्त्वज्ञान

पेपर कोड - SAN-M-4002

गुण १००

उद्दिष्टे इ

१. वेदान्तसार हा तत्त्वज्ञानातील अद्वैत विचारसरणी सांगणारा ग्रंथ अभ्यासणे.
२. वेदान्तसार या ग्रंथांचा अनुवाद करण्याचे तंत्र अभ्यासणे.
३. वेदान्तसारातील विविध संकल्पना व सिद्धांत अभ्यासणे.

Unit	Topic	Marks
१	वैदान्तसार विश्लेषणात्मक परिचय	३०
२	वैदान्तसार- अनुवाद	७०

संदर्भ ग्रन्थ:-

१. सर्वदर्शन संग्रह - श्री.द.वा. जोग
२. सर्वदर्शन संग्रह - माधवाचार्य - हिन्दी व्याख्या, चौखम्बा प्रकाशन
३. सर्वदर्शन संग्रह सायणमाधव - BORI, Pune
४. सांख्यतत्त्वकौमुदी - डॉ. गजानन मुसळगावकर, चौखम्बा प्रकाशन
५. सांख्यकारिका - हरिरामकृष्णशुल, चौखम्बा प्रकाशन
६. उपनिषदांचा अभ्यास - श्री. बेलसरे

आधुनिक साहित्य

पेपर कोड - SAN- M - 4003

गुण १००

१. कालिदासचरितम् (संपूर्ण) श्री. भी. वेलणकर
उद्दिष्टे -

१. आधुनिक काळातील नाट्य व साहित्य परंपरा अभ्यासणे
२. आधुनिक नाटक म्हणून कालिदासचरितम् चा अभ्यासकरणे
३. कालिदासचरितम् या नाटकाची समीक्षा करणे.

Unit	Topic	Marks
I	i) आधुनिक साहित्यपरंपरा ii) श्री. भी. वेलणकर परिचय	२०
II	कालिदासचरितम् समीक्षा	३०
III	कालिदासचरितम् अंक १,२,३.	३०
IV	कालिदासचरितम् अंक ४,५.	२०

संदर्भ ग्रन्थ :-

१. महाकवी कालिदास - डॉ. तिवारी चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
२. कालिदासचरितम् (संपूर्ण) श्री. भी. वेलणकर
३. आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास - चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

Elective
निरुक्त

पेपर कोड - SAN- E- 4005-A

गुण १००

उद्दिष्टे -

१. निरुक्त या वेदांगाचा अभ्यास करणे
२. निरुक्त ग्रंथांच्या आधारे निर्वचनशास्त्रातील विविध सिद्धांत शिकणे.
३. निरुक्तातील विविध शब्दांच्या व्युत्पत्ती/ निर्वचनांचा अभ्यास करणे.

निरुक्त यास्काचार्य - प्रथम, द्वितीय अध्याय

Unit	Topic	Marks
I	निरुक्त - प्रयोजने व स्वरूप	२०
II	निरुक्त अध्याय १	४०
III	निरुक्त अध्याय २	४०

संदर्भ ग्रन्थ :

१. निरुक्त यास्क, - (हिन्दी टीका) पं. सीतारामशास्त्री, चौखम्बा
२. निरुक्त - डॉ. प्रज्ञा देशपाडे, नागपुर
३. निरुक्त - डॉ. रवींद्र मुळे

आर्षमहाकाव्ये

पेपर कोड - SAN- E-४००५ B

१. प्राचीन संस्कृत काव्यभाषेचा परिचय करून देणे.
२. साहित्य शास्त्रीय दृष्ट्या रामायण - महाभारत संस्कृत साहित्याच्या विकासातील रामायण महाभारताचे महत्त्व अभ्यासणे ग्रंथाचे महत्त्व अभ्यासणे.
३. या ग्रंथाच्या प्रसिध्दीची कारणे अभ्यासणे .
जसे - तत्कालीन संस्कृती, समाज व्यवस्था, राजकीय व्यवस्था, धर्म मूल्यविचार यांचे प्रतिबिंब या ग्रंथांत कसे दिसून येते ते अभ्यासणे.
४. या ग्रंथांचा भारतीय संस्कृती वरील प्रभाव विशद करणे.

Unit	Topic	Marks
I	रामायण व महाभारताचा काळ, कर्ता, स्वरूप, लेखनशैली	२५
II	रामायण व महाभारताचे उपजीव्यत्व	२५
III	भारतीय संस्कृती च्या विकासात रामायण-महाभारतांचे महत्त्व	२५
IV	रामायण, महाभारतात प्रतिबिंबित झालेली संस्कृती - सामाजिक व्यवस्था, कुटूंब व्यवस्था , शिक्षणपध्दती, स्त्री शिक्षण , राजकीय स्थिती, आर्थिक स्थिती, धर्माचे स्वरूप , कला चतुर्विध पुरुषार्थ विचार.	२५

संदर्भग्रंथ:

१. वाल्मीकिरामायण - मूल संहिता
२. महाभारत - मूल संहिता
३. Great Epics of India - R. W. Hopkins, Motilal Banarsidas, New Delhi.
४. Epic Mythology - Ibid
५. इतिहास पुराण का अनुशीलन, रमाशंकर भट्टाचार्य, वाराणसी इ १९६३
६. संस्कृत साहित्य का इतिहास - बलदेव - उपाध्याय
७. संस्कृत साहित्याचा सोपपत्तिक इतिहास - डॉ करंबेळकर
८. महाभारताचा उपसंहार -
९. संस्कृत साहित्याचा इतिहास - डॉ. सिन्धू डांगे

गद्यकाव्य - (कादम्बरी • कथामुख)

पेपर कोड - SAN-E-1004-C गुण १००

उद्दिष्टे -

१. संस्कृत गद्यकाव्याची परंपरा अभ्यासणे
२. बाणभट्टाच्या कादंबरीचे विशेष अभ्यासणे
३. कादंबरी कथामुखाचे अनुवादासह अध्ययन करणे.

Unit	Topic	Marks
I	संस्कृतातील गद्यसाहित्य	२०
II	कादम्बरी परिचय	२०
III	कथामुख - अनुवाद	३०
IV	कथामुख - समीक्षा	३०

संदर्भ ग्रन्थ :-

१. कादम्बरी - बाणभट्ट - कथामुख हिन्दी अनु. शास्त्री प्र. केंद्र सीतापुर रोड लखनौ
२. संस्कृत साहित्य का इतिहास - चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
३. कादम्बरी - हिन्दी अनु. चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
४. Kadambari - Kathamukh Eng. Trans. By J.N.S. Chakravarty and P. K. Kane

Research Project- SAN- RP 004

शोध प्रकल्प / प्रबंध • गुण १५०

संस्कृत साहित्याधारित शोधप्रबन्धाचे लेखन करणे. (पृष्ठ मर्यादा कमीत कमी १०० पाने)

OUTCOME BASED EDUCATION

Faculty of Humanities

Department of Sanskrit

1. Mission:

Mission Statement

- To offer post-graduate and research program in Sanskrit language.
 - To develop the professionals having mastery in Sanskrit language for its application in different fields of research, development, training and professional applications.
 - To conduct research in languages and Sanskrit language for the development of scope of Sanskrit language.
 - To promote Sanskrit language in the domain of higher education and society.
 - To provide creative and innovative platform to develop value based and ethical Sanskrit linguistic professionals.
- a. as well as based on Values of Ethics and Morality capable of providing right grooming.
- b. **Demonstrate** Sanskrit language skills to read, write, speak and translate.
- c. **Demonstrate** values and ethics in all activities.

2. Vision:

Vision Statement

- The Department of Sanskrit aims to be one of the best university departments of Sanskrit in India. It will be the endeavour of the Department to provide proper grounding to students in areas like literature, linguistics, philosophy, poetics Sanskrit shastras etc. Over the next few years, the department plans to start many new initiatives, activities and programmes for the benefit of the students and development of the department.

3. Title of the Program (s):

- a. Master of Arts (Sanskrit)

4. Program Educational Objectives:

The program educational objectives (PEO) are the statement that describes the career and professional achievement after the program of studies (graduation/ postgraduation). The PEO s

are driven from question no. (ii) of the Mission statement (What is the purpose of organization).
The PEOs can be minimum three and maximum five.

PE01: In-depth knowledge of language, grammar, literature and application of these philosophies/techniques in the field of linguistic and societal development.

PE02: To provide the professional services to private and public organization through competitive examination (NET/SET/MPSC/UPSC/ETC)

PE03: To provide expertise and consultancy services in the private and public sector and to be an entrepreneur/professional consultant.

PE04: To opt for higher education, research and to be a life-long learner.

PE05: To provide value based and ethical leadership to the profession and social life.

5. Program Outcomes:

The program outcomes (PO) are the statement of competencies/ abilities. POs are the statement that describes the knowledge and the abilities the graduate/ post-graduate will have by the end of program studies.

- d. **Demonstrate mastery** of the Sanskrit language discipline by detailing the development and current practices of literary studies, rhetoric, grammar and **Demonstrate mastery** of the discipline by characterizing, instantiating, and critiquing the dominant critical theories, methodologies, and practices in the field inclusive of comparative linguistic methodology.
- e. **Conduct research** that leads to a substantial original thesis based on the literature as well as based on Values of Ethics and Morality capable of providing right grooming.
- f. **Demonstrate** Sanskrit language skills to read, write, speak and translate.
- g. **Demonstrate** values and ethics in all activities.

6. Course- Program outcome Matrix:

The Program Outcomes are developed through the curriculum (curricular/co-curricular/extracurricular activities). The program outcomes are attained through the course implementation. As an educator, one must know, "to which POs his/her course is contributing?". So that one can design the learning experiences, select teaching method and design the tool for assessment. Hence, establishing the Course-PO matrix is essential step in the OBE. The course-program